



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 202]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 23, 2007/श्रावण 1, 1929

No. 202]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 23, 2007/SRAVANA 1, 1929

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

जांच शुरुआत अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जुलाई, 2007

विषय : चीन जन. गण., इण्डोनेशिया, कोरिया, तुर्की तथा ईयू से हाइड्रोजन परॉक्साइड के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच की शुरुआत।

सं. 14/17/2006-डीजीएडी.—मै. नेशनल परॉक्साइड लि., मुम्बई, मै. गुजरात अल्कालीज एण्ड केमिकल्स लि., वडोदरा, मै. एशिया परॉक्साइड लि., चेन्नै एवं मै. हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लि., मुम्बई ने 1995 में यथा संशोधित सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 एवं सीमाशुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति निर्धारण) नियमावली, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) के अनुसरण में चीन जन. गण., इण्डोनेशिया, कोरिया-आरओके, तुर्की तथा ईयू (जिन्हें एतदपश्चात् संबद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित हाइड्रोजन परॉक्साइड (जिसे एतदपश्चात् सम्बद्ध वस्तु कहा गया है) के कथित पाटन के संबंध में पाटनरोधी जांच की शुरुआत हेतु निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष एक आवेदन प्रस्तुत किया है।

2. और यतः प्राधिकारी ने यह पाया है कि संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के पाटन, घरेलू उद्योग को क्षति और पाटन एवं क्षति के बीच कारणात्मक संबंधी की मौजूदगी के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य हैं और इसलिए प्राधिकारी कथित पाटन की मौजूदगी, मात्रा और प्रभाव का निर्धारण करने और पाटनरोधी शुल्क की उस राशि की सिफारिश करने के लिए, जिसे यदि लगाया जाएगा तो वह घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगी, एतद्वारा उक्त नियमावली के नियम 5 के अनुसार कथित पाटन और उसके परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग को हुई क्षति की जांच प्रारंभ करते हैं।

घरेलू उद्योग

3. यह आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से मै० नेशनल परॉक्साइड लि०, मुम्बई मै० गुजरात अल्कालीज एण्ड केमिकल्स लि०, वडोदरा, मै० एशिया परॉक्साइड लि०, चेन्नै एवं मै० हिन्दुस्तान ऑर्गेनिक केमिकल्स लि०, मुम्बई ने टीपीएम कंसल्टेंट्स, नई दिल्ली ने प्रस्तुत किया है। उपलब्ध साक्ष्य

के अनुसार पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) तथा नियम 5(3)(क) के अनुसार आवेदक को घरेलू उद्योग की ओर से पाटनरोधी जांच हेतु मामला दायर करने की पात्रता है।

विचाराधीन उत्पाद

4. विचाराधीन उत्पाद " हाइड्रोजन परॉक्साइड " है, जिसका पाटन भारतीय बाजार में चीन जन. गण., इण्डोनेशिया, कोरिया- आरओके एवं तुर्की के निर्यातकों द्वारा किया जा रहा है।

5. हाइड्रोजन परॉक्साइड के तीव्र ऑक्सीकरण गुणधर्म होने के कारण यह एक शक्तिशाली विरंजक अभिकर्मक होता है और इसका अनुप्रयोग गंध नियंत्रण, जंग नियंत्रण, अकार्बनिक तथा कार्बनिक ऑक्सीकरण, विषाक्तता में कमी/जैविक विघटनशीलता में सुधार, विसंक्रमण/जैव नियंत्रण, कागज व लुग्दी के विरंजन, परॉक्साइडों तथा इपोऑक्साइडों के विनिर्माण में किया जाता है और एंटीसेप्टिक तथा जीवाणुनाशी अभिकर्मक के रूप में उपचार पद्धति में किया जाता है।

6. हाइड्रोजन परॉक्साइड का उत्पादन विभिन्न सांद्रणों में किया जाता है। सामान्यतः इसका उत्पादन व बिक्री 50% आधार पर की जाती है। सांद्रण के स्तर के अनुसार हाइड्रोजन परॉक्साइड, फूड ग्रेड, तकनीकी ग्रेड, भेषज ग्रेड का हो सकता है।

7. हाइड्रोजन परॉक्साइड सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 के अध्याय 28 के उप शीर्ष 2847 के तहत वर्गीकृत है। सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल संकेतात्मक है और जांच के दायरे पर बंधनकारी नहीं है।

समान वस्तुएं

8. आवेदक ने दावा किया है कि उनके द्वारा उत्पादित वस्तुएं सम्बद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं समान हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित एवं सम्बद्ध देशों से आयातित हाइड्रोजन परॉक्साइड तकनीकी दृष्टि से तुलनीय है और इसकी विशेषताओं जैसे भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोगों, उत्पाद विनिर्देशनों, कीमत निर्धारण, वितरण एवं विपणन तथा वस्तुओं के टैरिफ वर्गीकरण की दृष्टि से दायिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। अतः इस जांच के प्रयोजनार्थ, पाटनरोधी नियमावली के अर्थ के भीतर आवेदक द्वारा उत्पादित हाइड्रोजन परॉक्साइड को सम्बद्ध देशों से आयातित हाइड्रोजन परॉक्साइड के समान वस्तु माना जा रहा है।

शामिल देश

9. वर्तमान जांच में शामिल देश चीन जन. गण. इण्डोनेशिया, कोरिया-आरओके, तुर्की तथा ईयू हैं।

सामान्य मूल्य

10. प्राधिकारी नोट करते हैं कि आवेदकों ने " हरिमन केमसल्ट लिमिटेड " में प्रकाशित कीमतों के आधार पर सम्बद्ध देशों में सम्बद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य का दावा किया है।

प्राधिकारी ने प्रथम दृष्टया याचिकाकर्ताओं द्वारा उपलब्ध कराई गई प्रकाशित कीमतों के आधार पर संबद्ध देशों में संबद्ध वस्तुओं के सामान्य मूल्य पर विचार किया है और प्रारंभिक जांच के प्रयोजनार्थ प्राधिकारी द्वारा इस पर विचार किया गया है।

निर्यात कीमत

11. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय से प्राप्त आंकड़ों के आधार पर निर्यात कीमतों का दावा किया गया है। निम्न निर्यात कीमत निकालने के लिए निर्यात के देशों में समुद्री भाड़े, पत्तन हैंडलिंग तत्था पत्तन प्रभारों, कमीशनों इत्यादि के आधार पर कीमत समायोजनों का दावा किया गया है। निर्यात कीमतों तथा संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तुओं के लिए याचिकाकर्ता द्वारा दावा किए गए समायोजनों के पर्याप्त साक्ष्य हैं।

पाटन मार्जिन

12. इस बात के पर्याप्त साक्ष्य हैं कि संबद्ध देश से संबद्ध वस्तुओं का सामान्य मूल्य निम्न निर्यात कीमत से काफी अधिक है जिससे प्रथम यह संकेत मिलता है कि संबद्ध देशों से निर्यातकों द्वारा संबद्ध वस्तुओं का पाटन किया जा रहा है।

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

13. याचिकाकर्ता ने कथित पाटन के परिणामस्वरूप पाटित आयातों की बढ़ती मात्रा, कीमत कटौती, कम कीमत पर बिक्री, गंवाई गई बिक्री और घरेलू उद्योग की लाभप्रदता में आई अत्यधिक गिरावट के कारण बाजार हिस्से में हुई गिरावट से हुई क्षति के संबंध में साक्ष्य उपलब्ध कराए हैं। संबद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण याचिकाकर्ता को हुई वास्तविक क्षति के पर्याप्त प्रथम दृष्टया साक्ष्य मौजूद हैं।

जांच अवधि

14. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच की अवधि (पीओआई) 1 जनवरी, 2006 से 31 दिसम्बर, 2006 (12 महीने) तक की है। तथापि, क्षति जांच अवधि में अप्रैल, 2003 - मार्च, 2004; अप्रैल, 2004-मार्च, 2005; अप्रैल, 2005-मार्च, 2006 तथा जांच की अवधि शामिल होगी।

सूचना प्रस्तुत करना

15. संबद्ध ज्ञात निर्यातकों एवं आयातकों तथा घरेलू उद्योग को संगत सूचना निर्धारित प्रपत्र तथा पद्धति में प्रस्तुत करने हेतु अलग से लिखा जा रहा है। वर्तमान जांच में भाग लेने का इच्छुक कोई अन्य पक्षकार निम्नलिखित पते पर पत्र-व्यवहार कर सकता है :-

निर्दिष्ट प्राधिकारी,
(फ़ाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय),
भारत सरकार,
वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय,
वाणिज्य विभाग,
उद्योग भवन, नई दिल्ली - 110011

समय सीमा

16. वर्तमान जांच से संबंधित कोई सूचना लिखित रूप में दी जाए जो उपर्युक्त पते पर निर्दिष्ट प्राधिकारी के पास इस अधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से 40 दिनों के भीतर पहुँच जानी चाहिए। यदि निर्धारित समय सीमा के भीतर कोई सूचना प्राप्त नहीं होती है अथवा प्राप्त सूचना अपूर्ण है तो प्राधिकारी उपर्युक्त नियमावली के अनुसार रिकॉर्ड में उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकता है।

सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण

17. नियम 6(7) के अनुसार कोई भी हितबद्ध पक्षकार उस सार्वजनिक फाइल का निरीक्षण कर सकता है जिसमें अन्य हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत किए गए साक्ष्यों के अगोपनीय अंश रखे गए हैं।

18. सभी हितबद्ध पक्षकार उपर्युक्त नियमावली के नियम 7(1) के अनुसार प्रस्तुत गोपनीय सूचना के साथ नियम 7(2) के संदर्भ में उसका एक गोपनीय तथा अगोपनीय सारांश प्रस्तुत करेंगे।

19. यदि कोई हितबद्ध पक्षकार आवश्यक सूचना जुटाने से मना करता है या उचित समय के भीतर उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराता है या जांच में अत्यधिक बाधा डालता है तो प्राधिकारी अपने पास उपलब्ध तथ्यों के आधार पर अपने जांच परिणाम दर्ज कर सकते हैं तथा केन्द्रीय सरकार को उचित सिफारिशें कर सकते हैं।

आर. गोपालन, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY
(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

INITIATION NOTIFICATION

New Delhi, the 20th July, 2007

Subject : Initiation of Anti-dumping investigations on imports of Hydrogen Peroxide from China PR, Indonesia, Korea ROK, Turkey and EU.

No. 14/17/2006-DGAD.— M/s National Peroxide Ltd., Mumbai, M/s Gujarat Alkalies & Chemicals Ltd., Vadodara, M/s Asian Peroxide Ltd., Chennai, and M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai have filed an application before the Designated Authority (herein after referred to as the Authority) in accordance with the Customs Tariff Act, 1975 as amended in 1995 and Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on dumped articles and for determination of injury) Rules, 1995 (herein after referred to as Rules) for initiation of anti dumping investigation concerning alleged dumping of Hydrogen Peroxide (hereinafter referred to as subject goods) originating in or exported from China PR, Indonesia, Korea-ROK, Turkey and EU (hereinafter referred to as subject countries).

2. AND WHEREAS, the Authority finds that sufficient prima facie evidence of dumping of subject goods by the subject countries, injury to the domestic industry and causal links between the dumping and injury exist, the Authority hereby initiates an investigation into the alleged dumping, and consequent injury to the domestic industry in terms of the Rules 5 of the said Rules, to determine the existence, degree and effect of any alleged dumping and to recommend the amount of antidumping duty, which if levied would be adequate to remove the injury to the domestic industry.

Domestic Industry

3. Application has been filed by M/s National Peroxide Ltd., Mumbai, M/s Gujarat Alkalies & Chemicals Ltd., Vadodara, M/s Asian Peroxide Ltd., Chennai, and M/s Hindustan Organic Chemicals Ltd., Mumbai through TPM Consultants, New Delhi on behalf of the domestic industry. As per the evidence available applicant has the standing to file the case for anti dumping investigation on behalf of domestic industry as per Rule 2(b) and Rule 5(3)(a) of Anti Dumping Rules.

3238 8707-2

Product under consideration

4. The product under consideration is "Hydrogen Peroxide" which is being dumped in the Indian market by the exporters from China PR, Indonesia, Korea-ROK, and Turkey.

5. Hydrogen Peroxide has strong oxidizing properties hence it is a powerful bleaching agent and has many applications in Odor control, corrosion control, inorganic and organic oxidation, toxicity reduction/biodegradability improvement, disinfection/bio-control, paper and pulp bleaching, manufacture of peroxides and epoxides, therapeutic uses as an antiseptic and antibacterial agent.

6. Hydrogen Peroxide can be produced in different concentration. It is generally produced and sold on 50% basis. Depending upon the concentration level, Hydrogen Peroxide can be food grade, technical grade, pharmaceutical grade, etc.

7. Hydrogen Peroxide is classified under chapter 28 of the Custom Tariff Act, 1975 under sub-heading 2847. The Custom classification is indicative only and not binding on the scope of investigation.

Like Articles

8. The applicant has claimed that the goods produced by them are "like articles" to the goods originating in or exported from the subject countries. Hydrogen Peroxide produced by the domestic industry and imports from subject countries are comparable, technically and commercially substitutable in terms of characteristics such as physical and chemical characteristics, manufacturing process and technology, functions and uses, product specifications, pricing, distribution and marketing, and tariff classification of the goods. Therefore, for the purpose of investigation the Hydrogen Peroxide produced by the applicant is being treated as like articles of Hydrogen Peroxide imported from subject countries within the meaning of the Anti Dumping Rules.

Countries involved

9. The countries involved in the present investigation are China PR, Indonesia, Korea-ROK, Turkey and EU.

Normal Value

10. The Authority notes that the applicants have claimed normal value of subject goods in subject countries based on the published prices in 'Hariman Chemsult Limited'. The Authority has prima-facie considered the normal value of subject goods

in subject countries on the basis of published prices as made available by the applicants and it has been considered by the Authority for the purpose of initiation.

Export Price

11. The export prices have been claimed on the basis of data obtained from Director General Commercial Intelligence and Statistics, Kolkata. Price adjustments have been claimed on account of Ocean freight in the countries of export, port handling and port charges, commissions etc to arrive at the net export price. There is sufficient evidence of export prices and the adjustments claimed by the applicants for the subject goods from the subject countries.

Dumping Margin

12. There is sufficient evidence that the normal values of the subject goods in the subject countries are significantly higher than the net export prices indicating prima-facie that the subject goods are being dumped by the exporters from the subject countries.

Injury and Causal Link

13. The applicants have furnished evidence regarding the injury having taken place as a result of the alleged dumping in the form of fall in their market share because of increased volume of dumped imports, price undercutting, price underselling, lost sales and substantial decline in profitability for the domestic industries. There is sufficient prima-facie evidence of the material injury being suffered by the applicants caused by dumped imports from subject countries.

Period of Investigation

14. The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is 1st January 2006 to 31st December 2006 (12 months). The injury investigation period will however cover the periods April,2003-March,04, April,2004-March,2005, April,2005-March,2006 and the POI.

Submission of information

15. The exporters and importers known to be concerned and domestic industry are being informed separately to enable them to file all information relevant in the form and manner prescribed. Any other party interested to participate in the present investigation may write to:

The Designated Authority
(Directorate General of Anti-Dumping & Allied Duties)

Government of India
Ministry of Commerce & Industry
Department of Commerce
Udyog Bhavan, New Delhi-110011.

Time limit

16. Any information relating to this investigation should be sent in writing so as to reach the Authority at the above address not later than 40 days from the date of publication of this notification. If no information is received within the prescribed time limit or the information received is incomplete, the Authority may record their findings on the basis of the facts available on record in accordance with the Rules supra.

INSPECTION OF PUBLIC FILE

17. In terms of rule 6(7) any interested party may inspect the public file containing non-confidential versions of the evidence submitted by other interested parties.

18. All interested parties shall provide a confidential and non-confidential summary in terms of Rule 7 (2), for the confidential information provided as per Rule 7 (1) of the Rules supra.

19. In case any interested party refuses access to and otherwise does not provide necessary information within a reasonable period, or significantly impedes the investigation, the Authority may record its findings on the basis of the facts available to it and make such recommendations to the Central Governments as deemed fit.

R. GOPALAN, Designated Authority